



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 509]

दर्दि दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 5, 1980/कार्तिक 14, 1902

No. 509] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 5, 1980/KARTIKA 14, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती हैं जिससे इक पथ अपन संकलन के तर्फ में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(आईडीआई विकास विभाग)
भौतिक संरचनाएँ
नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1980

का. आ. 879(अ).—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 85) की धारा 29-ख की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व आईडीआई विकास मंत्रालय (आईडीआई विकास विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 98(अ)/3-वि. वि. अ./29-ख/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 का निम्नलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

- (1) अन्सूची 5 में क्रम संख्याएँ 9, 10, 11 और 12 की प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा।
- (2) अन्सूची 5 में, प्रविष्टि 16 निलिकाकार बल्ली के पहचान, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी ;
“17. इमाल संरचनाएँ”
“18. चादरी धातु संघटक”।

2. केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 29-ख की उप-धारा (2) के अनुमति में इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से छह मास की अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके अवसान के पश्चात् ऐसे किसी आईडीआई उपक्रम का, जिसे उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) के प्रवर्तन से छूट प्राप्त थी,

कोई स्कामी, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त जारी की गई अन्जपित के अधीन और उसके अनुसार के सिवाए, और राज्य सरकार की दशा में केन्द्रीय सरकार की पूर्ण अनुज्ञा के अधीन और उसके अनुसार के सिवाए ऐसे उपक्रम का कारबाह नहीं चलाएगा।

[का. सं. 11/1/80-एल. पी.]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Dept. of Industrial Development)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 5th November, 1980

S.O. No. 879(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, namely :—

- (1) The entries at Serial numbers 9, 10, 11 and 13 in Schedule V shall be deleted.
- (2) The following entries shall be added to Schedule V after the entry ‘16 Tubular Poles’ :
“17 Steel Structural”
“18 Sheet Metal Components.”

2. In pursuance of sub-section (2) of section 29B of the said Act, the Central Government hereby specifies a period of six months from the date of publication of this notification

as the period after the expiry of which no owner of any industrial undertaking which was exempted from the operation of clause (d) of sub-section (1) of section 13 of the said Act shall carry on the business of such undertaking except under and in accordance with a licence issued in this behalf by the Central Government and in the case of State Government except under and in accordance with the previous permission of the Central Government.

[File No. 11/1/80-LP]

का. आ. 880(अ) :—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की पारा 29-की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त कानूनीयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूलापूर्वी औद्योगिक विकास मंशालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिकारी द्वारा इसका अधिनियम अ. 98(अ)/3-डि. वि. अ./29-ख/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्ता अधिसूचना की भद्र 3 में, 'विदेशी मुद्रा सीमा' में सम्बद्ध खण्ड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(ग) प्रस्तावित विनियम को या तो (इस्पात और एल्यू-मिनियम से भिन्न) कच्चे माल या (उत्पादन के तीन वर्ष पश्चात) पूँजी और संघटकों के आयात के लिए, वार्षिक उत्पादन के कारखाना बाह्य मूल्य के 15 प्रतिशत से अधिक या कच्चे माल, पूँजी और संघटकों के लिए 40 लाख रुपये की परिसीमा तक, इनमें से जो भी कम हो, प्रति वर्ष विदेशी मुद्रा की आवश्यकता नहीं है :

परन्तु,

(1) ऐसी कच्ची नामग्री और संघटकों का मूल्य, जो मन्त्र से साधारण अनुमति पर उपलब्ध है, और किसी वस्तु के विनियम के लिए आवश्यक निवेश के रूप में है, ऊपर विनिर्दिष्ट विदेशी मुद्रा सीमा की संगणना करने में गणना में नहीं लिया जाएगा ;

(2) ऐसी कच्ची नामग्री की बायत, जो मन्त्र से साधारण अनुमति पर उपलब्ध नहीं है किन्तु जो

भागत: देश में उपलब्ध है और भागत: आयात की जाती है अनुसूची 6 में, उल्लिखित कच्ची नामग्री को अनुज्ञेय विदेशी मुद्रा की संगणना के प्रयोजन के लिए 'पूर्णतः आयातित' माना जाएगा ।"

[फा. म. 12/112/79-एल. पी.]

बी. राय, संयुक्त मंचिव

S.O. 880(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, namely :—

In the said notification, in item 3, for clause (c) relating to "Foreign Exchange Limits", the following clause shall be substituted namely :—

"(c) Proposed investment does not require foreign exchange per year either for the import of raw materials (other than steel and aluminium), or for parts and components (after three years of coming into production), exceeding 15 per cent of the ex-factory value of the annual production or upto a ceiling of Rs. 40 lakh for raw materials and parts and components, whichever is less :

Provided that—

- (i) the value of the raw materials and components which are on Open General Licence and which form an essential input for manufacture of articles shall NOT be taken into account in computing the foreign exchange limits specified above :
- (ii) in respect of raw materials which are not on Open General Licence but which are partly available within the country and partly to be imported, the raw materials mentioned in Schedule VI may be treated as "wholly imported" for the purpose of computing the foreign exchange admissible.

[File No. 12/112/79-LP]

B. ROY, Jt. Secy.